an>

Title: Regarding fixing equal compensation to Anganwadi workers and helpers through out the country

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): अध्यक्ष महोदया, आज देश की मलिन बस्तियों में आई.सी.डी.एस. के माध्यम से कार्य कर रही आंगनबाड़ी की कार्यकर्ती और सहायिका मातृ एवं शिशु मृत्यु दर की कमी में एक महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। कुपोषण को कम करने में उनका एक बहुत महत्वपूर्ण योगदान है। पिछले 40 वर्षों से समाज में केवल महिलाएं इस पूरे आंगनबाड़ी और आई.सी.डी.एस. के कार्यक्रमों में लगी हुई हैं। उन्होंने दूसरे बच्चों की मृत्यु दर में कमी करने में तो महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, कुपोषण को कम करने में उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, लेकिन आज उनकी स्थिति यह है कि उनके लिए कोई स्पष्ट नीति नहीं बन पाई है।

आज उत्तर प्रदेश के आंगनबाड़ी में जो कार्यकर्ती काम करती हैं, उनको 3200 रुपए और उनकी सहायिका को 1600 रुपए दिए जाते हैं। किसी भी अन्य राज्य में उन्हें पांच हजार रुपए से कम नहीं मिलते हैं। हरियाणा और दूसरे राज्यों में तो उन्हें 9,000 रुपए दिए जाते हैं।

महोदया, मैं आपके माध्यम से मांग करना चाहता हूं कि आज जब रेगुलर कर्मचारियों के लिए महंगाई के कारण समय-समय पर पे-कमीशन की रिपोर्ट आती है, तो पिछले 40 सालों से लगातार जिस स्थिति में ये आंगनबाड़ी की महिलाएं, कार्यकर्ती और सहायिका काम कर रही हैं, तो इनके लिए एक स्पष्ट नीति बननी चाहिए और इनके कार्य के लिए सभी राज्यों में एकसमान मानदेय मिले। यह पैसा भारत सरकार से ग्रांट्स के माध्यम से जाता है। किसी राज्य में कुछ मानदेय है और दूसरे राज्य में अलग मानदेय है। हम आपके माध्यम से सरकार से मांग करना चाहते हैं कि देश के सभी राज्यों में आंगनबाड़ी में कार्यरत जो हमारी कार्यकर्ती हैं, सहायिका हैं, उन सबको समान वेतन और मानदेय मिले। उनकी राष्ट्रीय कार्यक्रमों जैसे पल्स पोलियो और जनगणना इत्यादि कार्यक्रमों में जैसी महत्वपूर्ण भूमिका है, तो इन्हें आज एक सरकारी कर्मचारी के रूप में भी नियुक्त करने की कोई योजना होनी चाहिए। इनके मानदेय में पिछले पांच-छः वर्षों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है।

HON. SPEAKER: S/Shri Sharad Tripathi, Shivkumar Udasi, Devji M. Patel, Nana Patole, Harish Dwivedi, Satish Kumar Gautam, Bhairon Prasad Mishra, Bhanu Pratap Singh Verma, Keshav Prasad Maurya, P.P. Chaudhary, Rajeev Satav, Kunwar Pushpendra Singh Chandel, Dr. Sanjay Jaiswal, Dr. Manoj Rajoria are permitted to associate with the issue raised by Shri Jagdambika Pal.